विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 11-1-22

वर्ग - पंचम शिक्षक राजेश कुमार पांडेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्यारे बच्चों

सुप्रभातम्

अशुद्धि संशोधन आज मैं पी० डी० एफ० जा रहा हूं

वाक्य का निर्माण करता क्रिया वचन लिंग पुरुष विशेषण विशेष आदि के आधार पर होता है इनका अनुचित प्रयोग वाक्य को अशुद्ध कर देता है संस्कृत भाषा में वाक्य अनेक दृष्टियों से अशुद्ध हो जाते हैं।

1कर्ता- क्रिया संबंधी अशुद्धि-क्रिया का प्रयोग कर्ता के पुरुष एवं वचन के अनुसार ही करना चाहिए।'सः पठसि'।सः के साथ कभी भी पक्षी का प्रयोग नहीं होता।

स: प्रथम पुरुष एकवचन का कर्ता है आता यहां पर स: पठति का प्रयोग होगा।

2 वचन संबंधी अशुद्धि-स: लिखन्ति। यहां कर्ता एकवचन और क्रिया बहुवचन में है करता क्रिया का वचन हमेशा समान होता है इसलिए 'स: लिखति'सही प्रयोग होगा।

3 विशेषण विशेष्य संबंधी अशुद्धि -विशेषण का लिंग वचन एवं विभक्ति विशेष के अनुसार प्रयोग होता है जैसे- कृष्ण: सर्प: गच्छति । यहां पर सर्प: विशेष्य के अनुसार ही कृष्ण: का प्रयोग शुद्ध होगा।

4 कारक विभक्ति संबंधी अशुद्धि-शब्दों के शब्द रूप लिखते समय कारक के चिन्हों के आधार पर विभक्ति का प्रयोग होता है। जैसे फल पेड़ से गिरता है यहां पेड़ से मैं अलग होने का भाव है अपादान कारक (पंचमी)विभक्ति का प्रयोग होगा ।फलम् वृक्षात् पतति।